हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-11 अंक-12 हरिद्वार, बुधवार, 01 मई, 2024 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

जिला सहकारी बैंकों का लाभ स्तर निरंतर बढ़ता रहेगा : सहकारिता मंत्री

देहरादून (संवाददाता)। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा है कि उत्तराखंड में जिला सहकारी बैंक क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए प्रगति के वाहक हैं। अपने अभिनव कार्यक्रमों, पहलों और नेतृत्व के माध्यम से, इन बैंकों ने न केवल अपने सकल लाभ में वृद्धि की है, बल्कि ग्रामीणों की आय को दोगुना करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सहकारिता मंत्री डॉ. रावत ने आज रविवार को बताया कि, उत्तराखंड राज्य के जिला सहकारी बैंकों ने लाभप्रदता के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है। सहकारी बैंकों ने पिछले साल की तुलना में सकल लाभ 180 करोड़ से बढ़कर 232 करोड़ रुपये किया है। उन्होंने कहा कि, यह प्रभावशाली वित्तीय प्रदर्शन इन वित्तीय संस्थानों को समर्थन देने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई रणनीतियों और पहलों की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

डॉ रावत ने बताया कि, जिला सहकारी बैंक राज्य सरकार की नीतियों को लागू करने और ग्रामीणों को आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन बैंकों के माध्यम से, ग्रामीण आबादी को अपनी आर्थिक स्थिति को बढ़ाने और अपनी आय को दोगुना करने के लिए सशक्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि सहकारी बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तियों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं, उनकी समग्र समृद्धि और कल्याण में योगदान दे रहे हैं।

डॉ. रावत ने विश्वास व्यक्त किया है कि जिला सहकारी बैंकों का लाभ स्तर निरंतर बढ़ता रहेगा। राज्य में वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इन सहकारी बैंकों की सफलता से स्पष्ट है। उन्होंने लाभ के लिए बोर्ड और बैंक अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी की लगन और कड़ी मेहनत का यह प्रमाण है। उनके प्रयासों से न केवल वित्तीय प्रदर्शन में सुधार हुआ है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के माध्यम से, ये सहकारी बैंक राज्य में सतत आर्थिक विकास और समृद्धि प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उत्तराखंड में 10 जिला सहकारी बैंक, एक राज्य सहकारी बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति और विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये बैंक न केवल ग्रामीणों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करते हैं, बल्कि उनकी आजीविका और समग्र कल्याण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएँ और पहल भी प्रदान करते हैं। उत्तराखंड में इन सहकारी बैंकों की सफलता सकल लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि और ग्रामीणों की आय में दोगुनी वृद्धि में स्पष्ट है। उत्तराखंड में जिला सहकारी बैंकों की सफलता के पीछे एक प्रमुख व्यक्ति सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत हैं। उनके नेतृत्व में, इन बैंकों ने ग्रामीणों को उनके आर्थिक प्रयासों में सहायता करने के लिए विभिन्न अभिनव कार्यक्रम और पहल लागू की हैं। इन पहलों के माध्यम से, बैंकों ने न केवल अपने लाभ मार्जिन में वृद्धि की है, बल्कि ग्रामीणों की आय के स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार किया है। दीन दयाल उपाध्याय किसान कल्याण योजना 0: ब्याज , सस्ती ऋण सुविधाएँ, बचत विकल्प और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम प्रदान करके, जिला सहकारी बैंकों ने ग्रामीणों को अपने व्यवसाय शुरू करने और उनका विस्तार करने, कृषि में निवेश करने और अपने समग्र वित्तीय कल्याण में सुधार करने के लिए सशक्त बनाया है। इसके परिणामस्वरूप, आय के स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में कमी आई है।

जिला सहकारी बैंकों का लाभ 180 करोड़ रु. से बढ़कर 232 करोड़ रुपये हुआ

वनाग्नि पर काबू पाने को लेकर सरकार गंभीर नहीं: मोर्चा

विकासनगर (संवाददाता)। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश के बेशकीमती जंगल (वन संपदा) आग से धधक रहे हैं तथा बेजुबान वन्य जीव काल का ग्रास बन चुके हैं, लेकिन राजभवन सरकार पर चाबुक चलाने के बजाय चुपचाप तमाशा देख रहा है। नेगी ने कहा कि वनाग्नि काल से पूर्व सरकार को इसके उपायों पर होमवर्क करना चाहिए था, लेकिन सरकार को फुर्सत ही नहीं थी। एक तरफ जहां करोड़ों-अरबों रुपया फिजूलखर्ची में पानी की तरह बहाया जा रहा है, वहीं पैसा अगर आग बुझाने के इंतजामों (उपकरणों) पर खर्च किया होता तो यह नौबत नहीं आती। नेगी ने कहा कि वनों की आग जिस प्रकार विकराल रूप धारण कर चुकी है, राजभवन को तत्काल बड़ी मात्रा में हेलीकॉप्टर्स को आग बुझाने के काम में लगाने हेतु सरकार को निर्देशित करना चाहिए था, लेकिन गवर्नर साहब को फुर्सत नहीं। नेगी ने कहा कि वर्ष 2015 से 2024 तक (आज तक) वनाग्नि काल में लगभग 20 हजार हेक्टेयर जंगल खाक हो चुके हैं, जबकि कागजों में सरकार द्वारा प्रदेश के तमाम वन प्रभागों के अंतर्गत क्रू स्टेशन व वॉच टावर स्थापित किए हुए हैं तथा कई अन्य इंतजाम भी किए हुए हैं, लेकिन वो इंतजामात नाकाफी हैं। मोर्चा ने तंज कसते हुए कहा कि 'सुना है सरकार इनाम रखे है आग बुझाने पर'। मोर्चा राजभवन से नींद त्याग कर वन मंत्री को बर्खास्त करने एवं सरकार पर चाबुक चलाने की मांग करता है। पत्रकार वार्ता में-दिलबाग सिंह व सुशील भारद्वाज मौजूद थे।

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने 14 भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया

हरिद्वार (संवाददाता)। आयोग सचिव गिरधारी सिंह रावत की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, उच्च शिक्षा विभाग में प्रयोगशाला सहायक भर्ती की मुख्य परीक्षा सात व आठ मई को होगी। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में औषधि निरीक्षक ग्रेड-दो परीक्षा 19 मई को होगी। गृह विभाग में प्रयोगशाला सहायक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला परीक्षा 26 मई को होगी। कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग में राजकीय आईटीआई प्रधानाचार्य परीक्षा 27 जून को, पीसीएस प्री परीक्षा सात जुलाई को, आईटीआई में कार्यदेशक, सर्वेयर शिशिक्षु फोरमैन अनुदेशक भर्ती मुख्य परीक्षा 31 जुलाई से शुरू होगी। इसके अलावा राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य सीमित विभागीय परीक्षा 29 सितंबर को होगी। कई विभागों में अन्वेषक कम संगणक, सहायक सांख्यिकी अधिकारी भर्ती छह अक्तूबर को होगी। सचिवालय प्रशासन, लोक सेवा आयोग एवं राजस्व परिषद के अंतर्गत समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा छह अक्तूबर को होगी। अपर निजी सचिव भर्ती के तहत शॉर्टहैंड व टाइपिंग आदि परीक्षा अक्तूबर से शुरू होगी। पीसीएस मुख्य परीक्षा 16, 17, 18 व 19 नवंबर को होगी। गृह विभाग के अंतर्गत ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला समूह-ख परीक्षा 22 नवंबर को होगी। पुलिस विभाग में कांस्टेबल भर्ती की शारीरिक परीक्षा मई से शुरू होगी। 15 दिसंबर को मुख्य कांस्टेबल व गुल्मनायक के लिए मुख्य परीक्षा होगी।

29 दिसंबर अग्निशमन द्वितीय अधिकारी मुख्य परीक्षा होगी। पुलिस दूरसंचार विभाग में पुलिस उपाधीक्षक मुख्य परीक्षा 18 दिसंबर को होगी। अपर निजी सचिव परीक्षा का विज्ञापन अभी जारी होना बाकी है। आयोग सचिव के मुताबिक, यह सभी तिथियां प्रस्तावित हैं। इनमें बदलाव भी हो सकता है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में बहुसंख्यकवाद का कोई जिक्र नहीं-मदन कौशिक

हरिद्वार, (संवाददाता)। नगर विधायक मदन कौशिक ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। मध्य हरिद्वार स्थित एक होटल में प्रैसवार्ता के दौरान पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में अल्पसंख्यकों को अधिक अधिकार देने की बात की गयी है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में बहुसंख्यकवाद का कोई जिक्र नहीं है। कांग्रेस का घोषणा पत्र पर पूरी तरह तुष्टिकरण की राजनीति पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सामाजिक विभाजन का प्रयास कर रही है। अल्पसंख्यकों को केंद्र में रखकर नीति और योजनाएं बनाने की बात की गयी है। मदन कौशिक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस धर्म के आधार पर वातावरण बनाना चाहती है। क्या उसकी नजर महिलाओं के मंगलसूत्र पर भी है। कांग्रेस का घोषणा पत्र सामाजिक वैमनस्यता बढ़ाने वाला है।

कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि वह अपनी घोषणाओं को किस प्रकार लागू करेगी। सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का आधार क्या होगा। क्या धर्म के आधार पर आरक्षण लागू किया जाएगा। कांग्रेस को बताना चाहिए कि भाजपा इसे जनता के बीच ले जा रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा भारी अंतर से हरिद्वार लोकसभा सीट जीत रही है। प्रैसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

रासायनिक खाद नुकसानदेह

फसलों की पैदावार अत्यधिक लेने का सोचकर जमीनों में आंख बंद करके डाली जा रही रासायनिक खादें नुकसानदायक भी साबित हो सकती हैं, कोई समझने को तैयार नहीं है। यही नहीं, रासायनिक दवाइयों और खाद के कारण भूमिगत जल के दूषित होने की गंभीर समस्याएं खड़ी हो रही हैं। किसानों की ओर से रासायनिक खादें, दवाइयां और कीटनाशक स्प्रे का लगातार इस्तेमाल करने से जमीनें बंजर बनती जा रही हैं। जमीनों में पोषक तत्त्वों की कमी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, इसलिए फसलों की टहनियां तो बड़ी हो जाती हैं, मगर अनाज के दाने उतने तैयार नहीं हो पाते। जमीन के इस तरह से हो रहे दोहन के बारे में सरकारों को अब गौर करने की जरूरत है। महंगी रासायनिक खादों के उपयोग से फसलों की पैदावार किसानों की अपेक्षाओं के विपरीत हो रही है। नतीजतन आज का किसान खेतीबाड़ी से विमुख होता जा रहा है। हालात आज इस कद्र बन चुके हैं कि कुछेक किसानों ने जमीनों पर फसलें उगाना तक बंद कर दिया है। मक्की की फसल उगाने से मुंह फेर चुके लोगों को अब विदेशी पॉप कॉर्न लजीज लग रहे हैं। कृत्रिम उर्वरक, रासायनिक खादें जमीन में खनिज लवणों को खत्म करती हैं। नाइट्रोजन के उपयोग से भूमि में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पोटाशियम गायब हो रहा है। जमीन में पोटाशियम का अभाव, विटामिन-सी और प्रोटीन की कमी आने से लोगों में कई बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। सुपर फास्फेट के कारण जमीन में तांबा और जस्ता खत्म होना शुरू हो जाता है। नाइट्रोजन और सुपर फास्फेट के इस्तेमाल से गेहूं और मक्का की फसलों में प्रोटीन की कमी आ जाती है। रासायनिक खादों, दवाइयों और कीटनाशक स्प्रे की आसमान छूती कीमतें किसानों की कमर तोड़ती आ रही हैं। रही-सही कसर ट्रैक्टर की महंगी जुताई ने पूरी कर दी है। किसान आपसी देखा-देखी में रासायनिक खादों का उपयोग आंखें बंद करके करते जा रहे हैं। अगर फसलों की पैदावार की तरफ नजर दौड़ाई जाए, तो उतनी भी नहीं निकल पा रही, जितना फसल की बिजाई का खर्च हो जाता है। प्रकृति में अचानक बदलाव आने से बारिश भी अब बेमौसमी होती है।

गरीब और पिछड़े वर्गों के हितों का ध्यान रखें

कार्यस्थल पर कोई भी निर्णय लेते समय देश के गरीब और पिछड़े वर्गों के हितों का ध्यान रखें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के अधिकारियों के समूह से मुलाकात के दौरान कहा। आर्थिक संकेतक प्रगति के उपयोगी मापदंड माने जाते हैं, इसलिए सरकारी नीतियों को प्रभावी और उपयोगी बनाने में अर्थशास्त्रियों की भूमिका को उन्होंने बहुत उपयोगी बताया। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, ऐसे में उन्हें आने वाले समय में अपनी क्षमताओं को पूरी तरह विकसित कर उनका उपयोग करने के असंख्य अवसर मिलेंगे। कार्यस्थल पर नीतिगत सुझाव देते समय या निर्णय लेते हुए देश के गरीब और पिछड़े वर्गों के हितों का ध्यान रखें। आर्थिक विश्लेषण और विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के साथ ही संसाधन वितरण प्रणाली और योजनाओं के मूल्यांकन के लिए उचित सलाह प्रदान करने की बात भी उन्होंने की। 2022-2023 के बैच के आईईएस अधिकारियों में 60त्न महिलाओं के होने की बात की और इससे महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए काम करने का आग्रह भी किया। ऐसे दौर में जब आर्थिक विसंगतियां बढ़ती जा रही हैं, राष्ट्रपति द्वारा अधिकारियों को यह सलाह देना देशवासियों के प्रति उनके मानवतावादी रवैये का द्योतक है। गरीबों और जरूरतमंदों के लिए बनाई गई सरकारी नीतियां जब तक प्रभावी नहीं होंगी, तब तक उनका लाभ लक्षित वर्ग तक पहुंचना मुश्किल है। देखने में आता है कि सरकारें योजनाएं बना कर उन्हें बिसरा देती हैं। उच्चाधिकारियों के हाथ में है कि वे इनका क्रियान्वयन सुबीते से करें। निस्संदेह इस तरह की नौकरियों में देश के हर वर्ग और हर प्रांत के अधिकारियों का चयन होता है, इसलिए उन्हें बुनियादी समस्याओं और संकटों का भान होता है। स्वयं राष्ट्रपति ऐसे समुदाय और वर्ग से निकल कर सबसे बड़े पद तक पहुंची हैं कि उन्हें देशवासियों की समस्याओं का न केवल अहसास है, बल्कि गरीबों और महिलाओं के समक्ष आने वाली चुनौतियों को भी उन्होंने करीब से देखा है। किसी भी समाज की प्रगति तभी नजर आती है, जब उसका सर्वांगीण विकास हो रहा हो। कहना न होगा कि आर्थिक असंतुलन ने हमारे संकटों को बढ़ाया है। यह चुनौती है, जिससे निपटना बेहद जरूरी है।

यह कैसी आज़ादी ?

निर्मल रानी

आज़ादी, निश्चित रूप से प्रत्येक प्राणी का स्वभाव है। परन्तु जब प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ समझा जाने वाला %मानव% आज़ादी की सभी सीमाओं को पार कर मानव समाज के ही अन्य लोगों के लिये परेशानी का सबब बन जाये तो ज़ेहन में यह सवाल उठना भी स्वभाविक है कि कहीं वह अपनी आज़ादी का दुरूपयोग तो नहीं कर रहा है ? इससे भी बड़ी समस्या तब खड़ी हो जाती है जब आज़ादी या स्वतंत्रता का दुरूपयोग करने वाले उसी व्यक्ति को उसकी बेजा हरकतों के लिए टोका जाये या उसे मना किया जाये या उसे यह बताया जाये कि जिसे वह आज़ादी समझकर दूसरों के लिये परेशानी खड़ी कर रहा है वह दरअसल ग़ैर क़ानूनी है अनैतिक है,तो वह अपनी ग़लती मानने या उसमें सुधार करने के बजाये बड़े ही शातिरपने से बात को दूसरी तरफ़ घुमा देता है। यहाँ तक कि लड़ने को भी तैयार हो जाता है और शिकायतकर्ता को ही कटघरे में खड़ा करने लगता है।

मिसाल के तौर पर कहीं लाउडस्पीकर पर अज़ान हो रही हो या मजलिस,मीलाद हो रहा हो और देर रात तक पास पड़ोस के लोगों की नींद ख़राब हो रही हो,या सड़क पर नमाज़ पढ़ी जा रही हो जिससे राहगीरों को रास्ता चलने में बाधा पैदा होती हो, और आपने इन सब पर आपत्ति की तो आपको फ़ौरन इस्लाम व मुस्लिम विरोधी बता दिया जायेगा। भले ही शिकायतकर्ता स्वयं मुसलमान ही क्यों न हो। इसी तरह अनेक मंदिरों व गुरद्वारों में सुबह शाम लाउडस्पीकर पर होने वाले भजन कीर्तन से यदि आस पास के लोग परेशान हैं। बच्चों को इम्तेहान में पढ़ने में परेशानी हो रही है,कहीं जगरात्रे के चलते रास्ता भी रोका हुआ है और रात भर शोर भी हो रहा है। आये दिन कोई न कोई यात्रा जुलूस गाजे बाजे के साथ निकलता ही रहता है। परन्तु यदि आपने वहाँ किसी को क़ानून समझाया या उस पर आपत्ति की तो आपको सनातन विरोधी व धर्म विरोधी बताने में देर नहीं लगेगी। आजकल तो भिखारी लोग भी आधुनिक युग में प्रवेश कर चुके हैं। वे भी कभी शनि की सवारी लेकर तो कभी साईं की मूर्ति लेकर शोर मचाते लाउडस्पीकर के साथ गली गली मांगते फिरते हैं। यह लोग प्राय: सुबह 5 बजे ही सोते हुए लोगों को उठाकर मांगते हैं और रात के 11 बजे तक इनका यह सिलसिला चलता रहता है। परन्तु आपके आपत्ति करने पर धर्मांध लोग अपनी धर्मान्धता के नशे में आपके सारे तर्कों को काट कर आपको नास्तिक बताने पर आमादा हो जायेंगे। कोई आश्चर्य नहीं कि इस तरह के कृत्य में शामिल लोग आपको अपमानित भी कर डालें। हद तो यह है कि ऐसे अवसर पर जो लोग भले ही आपकी बातों से सहमत क्यों न हों परन्तु वे भी सिर्फ़ इसलिये ख़ामोश रहेंगे कि कहीं उन्हें भी धर्म विरोधी न बता दिया जाये। हमारे आज के समाज की यही कड़वी सच्चाई है।

उपरोक्त धार्मिक कृत्यों के अतरिक्त भी तमाम लोग अपनी निजी आज़ादी का दुरूपयोग करते हैं। मिसाल के तौर पर ग़लत जगह गाड़ी पार्क करना,तंग गलियों में कारें खड़ी करना,गलियों में अपने घरों के प्रवेश द्वार पर ऐसे टेपर बनाना जिनसे आधी गली पर ही उनका क़ब्ज़ा हो जाये। नवधनाढ्यों द्वारा अपने कुत्तों को दूसरों के दरवाज़ों पर ले जाकर पोटी कराना। जहाँ चाहे वहीँ खड़े होकर पेशाब करने लगना। आज़ाद देशवासियों के स्वभाव का हिस्सा बन चुका है। आख़िर कुछ तो वजह है कि जगह जगह यह लिखा दिखाई देता है कि यहाँ पेशाब करना मना है। उसके बावजूद उसी जगह पर लोगों का खड़े होकर पेशाब करना ? यह सब आज़ादी के दुरूपयोग की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है ?

इसी तरह कई जगह जब लोग अपना मकान बनवाते हैं तो पूरे अधिकार के साथ उस ओर से निकलने वाले पूरे रास्ते को ही बंद कर देते हैं। रास्ते में मिट्टी ,बालू,ईंट रखकर या मिक्सर मशीन खड़ी कर रास्ते को पूरी तरह बंद करना ऐसे लोग अपना अधिकार समझते हैं। परिणाम स्वरूप उधर से अपनी रोज़ाना निकलने वाले लोगों को अपना मार्ग बदलना पड़ता है। फिर चाहे वह एम्बुलेंस हो या स्कूल बस। अब यदि आप ने ऐसे %आज़ाद% लोगों को समझने की कोशिश की कि वाहनों के आवागमन के लिये थोड़ा सा मार्ग तो छोड़ दें। इसके जवाब में वह आपकी बात मानना तो दूर उल्टे आपसे लड़ने को ही तैयार हो जाएगा और साथ ही अपने मन में हमेशा के लिये यह भी ठान लेगा कि अमुक व्यक्ति मेरे मकान के निर्माण को देखकर ईर्ष्या रखता है। उसी समय वह निर्माणाधीन मकान पर एक नज़रबट्टू, काला भूत या कोई फटा जूता लटका देगा। और हमेशा के लिये आपसे बोलचाल, मरना जीना, शादी ब्याह सब कुछ समाप्त हो जायेगा।

ऐसे ही एक निर्माणाधीन मकान की तरफ़ से एक बार प्रात:काल की सैर करते हुये गुज़रना हुआ। दृश्य यह था कि पूरा मार्ग मिट्टी डालकर बंद था। सुबह 6 बजे सरकारी जलापूर्ति शुरू हुई तो उसी निर्माणाधीन मकान में लगी पानी की टूंटी खुली थी जिसकी तेज़ धार उसी मिटटी पर जा रही थी। परिणाम स्वरूप वह मिटटी तेज़ी से बहकर नाली में जा रही थी। इसकी वजह से काफ़ी दूर तक नाली व उससे जुड़ा एक बड़ा नाला भी मिट्टी से भर गया था। ज़ाहिर है कि मिट्टी से नाली में हुये इस ब्लॉकेज को इस मकान का मालिक तो साफ़ करवाने से रहा ? अब अगर सरकारी अमला इसे साफ़ न करे तो जनता सरकार को कोसेगी ? और अगर सरकारी अमला इसे साफ़ न करे तो नाली ओवर फ़्लो होगी और गन्दा पानी सड़कों पर आएगा। जिससे दुर्गन्ध फैलेगी और बीमारी फैलने की संभावना बढ़ेगी। परन्तु इन बातों से इन स्वार्थी आज़ाद देशवासियों का क्या लेना देना। इनका अपना उल्लू सीधा हो जाये बाक़ी भाड़ में जाएँ परेशान होने वाले ?

इसमें सरकार का भी क़ुसूर है जो ऐसे लोगों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई नहीं करती जो किसी न किसी तरह आम लोगों की परेशानी का सबब बनते हैं। चाहे वह सरकारी ज़मीनों पर क़ब्ज़ा कर, ध्वनि प्रदूषण फैला कर या जाम के हालात पैदा कर या रास्ते घेर कर। ऐसे लोगों को क़ानून के मुताबिक़ सख़्त दंड दिया जाना चाहिये। क्योंकि आज़ादी का मतलब दूसरों के लिये मुसीबत खड़ी करना तो हरगिज़ नहीं होता ?

चारधाम यात्रा : अभी तक 16.80 लाख यात्री करवा चुके रजिस्ट्रेशन

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2024 को लेकर यात्रियों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है. यही वजह है कि रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा 16.80 लाख पार हो गया है. लगातार बढ़ते रजिस्ट्रेशन को देखते हुए राज्य सरकार ने रजिस्ट्रेशन की एक दिन की समय सीमा भी तय कर दी है. यानी एक लिमिट से ज्यादा लोग एक दिन में रजिस्ट्रेशन नहीं करवा पाएंगे. क्योंकि, मई महीने में जो भक्त चारधाम आना चाहते हैं, उन्होंने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है. उनकी संख्या लाखों में पहुंच गई है. ऐसे में व्यवस्था और यात्रा की तैयारी को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है. चारधाम यात्रा आने वाले यात्रियों का उत्साह इस कदर है कि अभी से ही होटल, हेली टिकट और वाहन करीबन बुक हो गए हैं. आलम ये है कि बुकिंग भी रिकॉर्ड तोड़ हो चुकी है. ऐसे में कोई मई महीने में चारधाम आना चाहता है तो उसकी फजीहत भी सकती है. क्योंकि, मई महीने की रजिस्ट्रेशन की समय सीमा पूरी हो गई है. एक आंकड़े के मुताबिक, 10 मई से शुरू होने वाली चारधाम यात्रा में अभी तक 10 मई से लेकर 31 मई तक के पंजीकरण पूरे हो चुके हैं. उत्तराखंड पर्यटन विभाग से जारी आंकड़ों के अनुसार, 29 अप्रैल 2024 (सोमवार) शाम 4 बजे तक यमुनोत्री धाम के लिए अभी तक 2,77,775, गंगोत्री धाम के लिए 3,10,715, केदारनाथ धाम के लिए 5,94,147 और बदरीनाथ धाम के लिए 4,98,086 यात्री रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं. अभी तक यानी 29 मई तक चारधाम यात्रा के लिए कुल 16,80,723 यात्री रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं. वहीं, हेमकुंड साहिब की बात करें तो 28,395 यात्री रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं. ऐसे में इतनी ज्यादा संख्या में जब यात्री मंदिरों में पहुंचेंगे तो दर्शन में लंबा समय लग सकता है. उन्हें कई-कई घंटे की लाइन लगानी पड़ सकती है. लिहाजा, मंदिर समिति ने स्टॉल और टोकन की व्यवस्था को और ज्यादा कारगर बनाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं.

चारधाम यात्रा में आने वाले यात्री सबसे ज्यादा केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के दर्शन करते हैं. साल 2013 की आपदा के बाद से केदारनाथ में यात्रियों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है, जिसे देखते हुए सरकार को हेली सेवा को भी अपग्रेड करना पड़ा है. उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (UCADA) से मिली जानकारी के अनुसार, केदारनाथ में हेलीकॉप्टर से आने वाले यात्रियों की संख्या भी रिकॉर्ड तोड़ रही है. आलम ये है कि अभी तक मई और जून महीने की हेली टिकट बुकिंग फुल हो चुकी है.

ऐसे में सितंबर महीने की बुकिंग शुरू कर दी गई है. सितंबर महीने की भी 85 फीसदी टिकटों की बुकिंग हो चुकी है. बात अगर अक्टूबर महीने की करें तो अभी तक 35 फीसदी टिकट बुक हो चुके हैं. चारधाम यात्रा में अक्टूबर महीने के बाद अमूमन मानसून की रफ्तार धीमी पड़ जाती है. लिहाजा, यात्री आगे की बुकिंग अभी से ही करवा रहे हैं. चारधाम यात्रा में भीड़ को देखते हुए सरकार ने समय सीमा तय की है. जिसका अब विरोध भी होने लगा है. चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के साथ होटल और होमस्टे संगठन के लोगों ने भी चेतावनी देनी शुरू कर दी है. उनका कहना है कि जब गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरीनाथ, केदारनाथ मंदिर के साथ निचले इलाकों यानी यात्रा पड़ाव में यात्रियों के रुकने की संख्या और कैपेसिटी ज्यादा है. ऐसे में किस लिहाज से यात्रियों की संख्या सीमित की जा रही है.

नगर निकाय निर्वाचक नामावलियों के सम्बन्ध में प्राप्त हो रही शिकायतों पर पर डीएम ने दिए जरूरी निर्देश

देहरादून (संवाददाता)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी पंचास्थानि देहरादून सोनिका ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेज्ट में बैठक लेते हुए स्थानीय नगर निकाय निर्वाचक नामावलियों के सम्बन्ध में प्राप्त हो रही शिकायतों पर सम्बन्धित उप जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र नागर निकाय निर्वाचक नामावलियों का पुनरावलोकन कराने तथा बीएलओं के माध्यम से घर-घर सर्वे कराते हुए वोटर लिस्ट की कमियां देख लें, इस कार्य में सम्बन्धित पटवारी एवं अमीन की भी सहायता ले ली जाए। साथ ही निर्देशित किया कि प्रत्येक स्तर पर जांच कराते हुए, कमियों के सुधारीकरण हेतु नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, तहसीलदार सदर मौहम्मद शादाब, सहायक निर्वाचन अधिकारी पंचास्थानि श्री नौटियाल ऋषिपर्णा सभागार में तथा उप जिलाधिकारी मसूरी दीपक सैनी, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार, उप जिलाधिकारी डोईवाला अपर्णा ढौंढियाल, उप जिलाधिकारी ऋषिकेश सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

यात्रा पड़ावों पर लगे वाटर एटीएम से इस बार बिना सिक्का डाले मिलेगा पीने का पानी

उत्तरकाशी,(संवाददाता)। चारधाम यात्रा पड़ावों पर लगे वाटर एटीएम से इस बार बिना सिक्का डाले पीने का पानी मिलेगा। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने जल संस्थान को गंगोत्री-यमुनोत्री धाम सहित यात्रा मार्गों पर वाटर एटीएम से निशुल्क पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिले के चारधाम यात्रा मार्गों पर पेयजल आपूर्ति की समीक्षा करते हुए डीएम ने कहा कि तीर्थयात्रियों के लिए पर्याप्त मात्रा में शुद्ध व सुलभ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने जल संस्थान से इसके लिए यात्रा मार्गों की सभी पेयजल योजनाओं, टैंकों, स्टैंड पोस्टों, हैंडपंप व वाटर एटीएम की देखरेख व मरम्मत का काम इसी सप्ताह पूरा करने के निर्देश दिए। डीएम ने पानी के नमूनों की नियमित जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि जल संस्थान की आपूर्ति से इतर अन्य स्रोतों से लाए जाने वाले पानी की भी जांच होनी चाहिए। डीएम ने बड़कोट नगर की पेयजल समस्या के समाधान के लिए भी ठोस प्रयास करने को कहा। गंगोत्री-यमुनोत्री धाम में विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ दोनों धामों के पैदल मार्ग पर त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए इस बार भी 40 मेडिकल फर्स्ट रेस्पॉन्डर (एमएफआर) तैनात रहेंगे, जिसमें से 30 प्रशिक्षित एफएमआर की तैनाती जानकीचट्टी से यमुनोत्री पैदल मार्ग पर और शेष दस की तैनाती गंगोत्री-गोमुख मार्ग पर की जाएगी। यात्रा के लिए रोस्टर के आधार पर जिले के बाहर से 28 डॉक्टर्स एवं जिले के 09 डॉक्टर्स की ड्यूटी लगाई जा चुकी है। चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य संबंधी स्क्रीनिंग के लिए यमुनोत्री मार्ग पर दोबाटा (बड़कोट) एवं जानकीचट्टी और गंगोत्री मार्ग पर हीना चेक पोस्ट पर स्क्रीनिंग केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर हर शिफ्ट में एक एलोपैथिक व एक आयुर्वेदिक चिकित्सक के साथ ही चार से छह पैरामेडिकल व सहयोगी स्टाफ की तैनात रहेगा। इसके अलावा यमुनोत्री धाम के साथ ही बम्बूहाट और भंडेलीगाड में कुल तीन मेडीकल रिलीफ पोस्ट (एमआरपी) स्थापित की जा रही है, जिसमें चिकित्सक, फार्मासिस्ट और वार्ड ब्वाय तैनात रहेंगे।

कार खाई में गिरी, तीन लोगों की मौत

देहरादून, (संवाददाता)। मसूरी के हाथीपांव रोड पर एक कार के खाई में गिर जाने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर तीनों शवों को बाहर निकाला और स्थानीय पुलिस की सुपुर्दगी

में दे दिया। दुर्घटनाग्रस्त कार हरियाणा की बतायी जा रही है।

जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह जिला नियंत्रण कक्ष, देहरादून द्वारा एसडीआरएफ को सूचित किया गया कि मसूरी में हाथीपांव रोड पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गयी है, जिसमें रेस्क्यू हेतु एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही पोस्ट सहस्त्रधारा से एसडीआरएफ टीम तत्काल घटनास्थल हेतु रवाना हुई। दुर्घटनास्थल पर एक कार लगभग 500 मीटर नीचे खाई में गिरी हुई थी जिसमे 3 लोग सवार थे जिनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी। एसडीआरएफ टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुँचकर रोप की सहायता से खाई में उतरकर दुर्घटनाग्रस्त वाहन तक पहुँच बनाई व वाहन में से 2 शवों को निकालकर स्ट्रेचर के माध्यम से मुख्य मार्ग तक पहुँचाकर जिला पुलिस के सुपर्द किया गया जबकि तीसरे व्यक्ति का शव स्थानीय लोगों द्वारा पूर्व में ही निकाल दिया गया था। स्थानीय पुलिस द्वारा तीनों मृतकों की शिनाख्त की कार्यवाही की जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त कार हरियाणा की बतायी जा रही है।

केदार धाम में अनियमित तोड़फोड़ ,यात्रा बहिष्कार की दी चेतावनी

रुद्रप्रयाग,संवाददाता। केदारनाथ धाम में भवनों की अनियमित तरीके से तोड़-फोड़ की कार्यवाही से केदारसभा में आक्रोश बना हुआ है। इस बाबत उन्होंने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर आगामी दस मई से शुरू होने वाली यात्रा का सम्पूर्ण बहिष्कार की चेतावनी दी है। बहिष्कार के तहत यात्रा मार्ग पर सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान, भवन, विश्राम गृह सभी बंद रखे जायेंगे।

दरअसल, केदारनाथ धाम में तीसरे चरण के पुनर्निर्माण कार्य चल रहे हैं। निर्माण के तहत पुराने भवनों को तोड़कर नये भवनों का निर्माण होना है, लेकिन यह कार्य तीर्थ पुरोहित समाज एवं हक-हकूक धारियों के राय-मश्वरे के हो रहे हैं, जिस कारण केदारसभा में आक्रोश बना हुआ है। ऐसे में केदारसभा की बैठक में शासन-प्रशासन की इस कार्यवाही का विरोध किया गया। बैठक में केदार सभा के पदाधिकारियों ने कहा इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।बैठक के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे ज्ञापन में केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी एवं महामंत्री डॉ राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने कहा केदारनाथ धाम में शासन-प्रशासन द्वारा अनियोजित तरीके से भवनों के साथ तोड़-फोड़ की जा रही है। इस तोड़फोड़ का लगातार विरोध किया जा रहा है, बावजूद इसके बाद भी स्थानीय लोगों की अनुमति के बिना कार्यवाही जा रही है।

डेंगू से बचाव के लिए सभी निकायों में फॉगिंग करवाना सुनिश्चित करवायें निकायों के प्रशासक

देहरादून (संवाददाता)। भाजपा नेता एडवोकेट एन के गुसाई ने कहा कि गर्मी बढ़ने के साथ-साथ शहर के विभिन्न हिस्सों से डेंगू के मरीजों की संख्या भी बढ़ने की बात सामने आ रही है,जिससे आम जनता में इस बिमारी का भय दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि डेंगू को रोकने के लिए ना सिर्फ देहरादून नगर निगम ब्लकि प्रदेशभर के सभी नगर निगमों,नगर पालिकाओं तथा नगर पंचायतों में युद्ध स्तर पर छिड़काव तथा फॉगिंग किया जाना चाहिए। गुसाईं ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि जब तक डेंगू तथा अन्य बीमारियां सिर चढ़कर सामने नहीं आ जाती हैं तब तक स्थानीय प्रशासन हरकत में नहीं आता है,बेहतर हो कि हम बीमारियों के आने से पहले ही उनके रोकथाम के उपायों पर काम व अमल करना शुरू कर दें। गुसाईं ने आगे कहा कि वर्तमान में नगर निकायों की बागडोर प्रशासकों के हाथों में है और उनको ही डेंगू को रोकने का उपाय करने हैं। यदि समय रहते इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हम शहरी विकास मंत्री जी के समक्ष इस बात को पुरज़ोर ढंग से उठायेंगे ताकि आम जनता को राहत मिल सके और उनके दिलो-दिमाग में राज्य सरकार की सकारात्मक छवि बनी रहे।

निरंकारी मिशन ने किया मानव एकता दिवस एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

जीवन का प्रत्येक पल मानवता के प्रति समर्पित हो-माता सुदीक्षा

हरिद्वार , संवाददाता। निरंकार प्रभु ने हमें जो मानव जीवन दिया है। इसका प्रत्येक पल मानवता के प्रति समर्पित हो सके। परोपकार का ऐसा सुंदर भाव जब हमारे हृदय में उत्पन्न हो जाता है तब वास्तविक रूप में समूची मानवता हमें अपनी प्रतीत होने लगती है। फिर सबके भले की कामना ही हमारे जीवन का लक्ष्य बन जाता है। उक्त उद्गार सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने शाहपुर शीतला खेड़ा में आयोजित 'मानव एकता दिवस' के अवसर पर श्रद्धालु भक्तों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। माता सुदीक्षा महाराज ने कहा कि मानव एकता दिवस बाबा गुरबचन सिंह की मानवता के प्रति की गयी उनकी सच्ची सेवाओ को समर्पित है। जिससे निरंकारी जगत का प्रत्येक भक्त प्रेरणा लेकर अपने जीवन का कल्याण कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा का भाव सदैव निष्काम ही रहा है। ऐसी भावना जब हमारे मन में बस जाती है। तब हमारा जीवन वास्तव में मानवता के कल्याणार्थ समर्पित हो जाता है। हमारी सेवा भावना साकार एवं कर्म रूप में समस्त मानव परिवार के लिए वरदान बन जाती है।

मानव एकता दिवस के अवसर पर संत निरंकारी मिशन की सामाजिक संस्था संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की और से रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में 204 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं का उत्साहवर्द्धन करते हुए माता सुदीक्षा महाराज ने कहा कि रक्तदान, मानव जीवन को बचाने की ऐसी सर्वोपरि सेवा है। जिसमें परोपकार की नि:स्वार्थ भावना निहित है।

कल्पवृक्ष के समान है श्रीमद्भावगत कथा-स्वामी भास्करानंद

हरिद्वार (संवाददाता)। महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी भास्कारानंद महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा कल्पवृक्ष के समान है। कथा के श्रवण और मनन से सभी इच्छाओं को पूरा किया जा सकता है। सप्त सरोवर मार्ग स्थित अखण्ड दयाधाम में अखण्ड दयाधाम वृन्दावन एवं गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट इंदौर की और से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धालु भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला का वर्णन करते हुए स्वामी भास्करानंद ने बताया कि रास जीव के शिव से मिलन की कथा है। भगवान की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन करने के लिए गोकुल पहुंच गए। महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाये जाने वाले पंच गीत, भागवत के पंच प्राण हैं, जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है। वह भव सागर से पार हो जाता है। उसे वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती हैं। भगवान श्रीकृष्ण के विवाह का प्रसंग को सुनाते हुए स्वामी भास्करानंद ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह रुक्मणि के साथ संपन्न हुआ। रुक्मणि स्वयं साक्षात लक्ष्मी है और वह नारायण से दूर रह ही नही सकती। यदि जीव अपने धन अर्थात लक्ष्मी को भगवान के काम में लगाए और लक्ष्मी नारायण की पूजा या उनकी सेवा करे तो उसे भगवान की कृपा स्वत: ही प्राप्त हो जाती है।

स्वामी ऋषि रामकृष्ण, स्वामी कृष्णानंद, स्वामी बिपनानंद, स्वामी नागेंद्र महाराज आदि संतों ने भी श्रद्धालु भक्तों को आशीर्वचन प्रदान किए। ट्रस्टी प्रेम गोयल, विजय गोयल, श्याम अग्रवाल, पुरूषोत्तम अग्रवाल एवं पुष्पा देवी, गायत्री वालिया तथा अमित वालिया ने संतों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालु भक्त शामिल रहे।

पानी की तलाश में आबादी क्षेत्र में घुसा भालू

हल्द्वानी (संवाददाता)। गर्मी बढ़ने के साथ जंगलों में पानी न उपलब्ध होने के कारण वन्य जीव पानी की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों में आने लगे है। जिससे लोगों में दहशत का माहोल है। अभी दो दिन पूर्व ही एक भालू को वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा था। वह भालू फिर से आबादी वाले या इलाके में पहुंच गया। जिसके चलते लोगों में फिर दहशत का माहौल बन गया है। तराई केंद्रीय वन प्रभाग के जंगल से 2 दिन पहले भालू निकलकर लालकुआं स्थित स्लीपर फैक्ट्री के आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचा था। तब पूरी रात दहशत का माहौल बना रहा था। इसके बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने स्लीपर फैक्ट्री से भालू को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा था। गुरुवार देर रात फिर वही भालू आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच गया। इसके बाद भालू भागते हुए एक बार फिर से फैक्ट्री में जा पहुंचा, जिससे लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया। काफी देर तक भालू स्लीपर फैक्ट्री में इधर-उधर घूमता रहा। भालू के फिर से आने की सूचना लोगों ने वन विभाग को दी। वन विभाग की रेस्क्यू टीम फिर मौके पर पहुंची, लेकिन भालू फिर वहां से भाग खड़ा हुआ। भालू के आने से लोगों में फिर से एक बार दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि जंगलों में जंगली जानवरों को पीने के लिए पानी उपलब्ध नहीं होने के चलते जंगली जानवर भटक कर आबादी की ओर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि स्लीपर फैक्ट्री में बने तालाब में पानी पीने के लिए भालू बार-बार आबादी के इलाकों में पहुंच रहा है।

हरदा को ही स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी पार्टी मे कितने दागी हैं : मनवीर सिंह चौहान

देहरादून (संवाददाता)। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने पूर्व सीएम हरीश रावत के पार्टी छोड़ने वाले नेताओं पर किये कटाक्ष को अपमानजनक बताया। चौहान ने कहा कि अब हरदा को ही स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी पार्टी मे कितने दागी हैं, क्योंकि कांग्रेस छोड़ने वाले हर नेता उनकी नजर मे पापी है। उन्होंने कहा कि भाजपा मे कार्यकर्ता का सम्मान है और इसी कारण कांग्रेस सहित दूसरे दलों से लोग भाजपा का रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से विधायक हों या बड़े नेताओं का पार्टी छोड़ने की बात नयी नही है। वर्ष 2016 मे कांग्रेस मे हुई एक बड़ी टूट के लिए तत्कालीन विधायकों ने हरदा की नीतियों और भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया था। ऐसे अनगिनत चेहरे हैं जो कांग्रेस या दूसरे दलों मे हैं, लेकिन हरदा की महत्वाकांक्षा को कांग्रेस के गर्त मे ले जाने के लिए जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। वहीं परिवारवाद के पुरोधा रहे हरदा पूरी कांग्रेस को एक रिमोट से चला रहे हैं तो असंतोष स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि गंगा मैली हो या शुद्ध अथवा उसका स्वरूप कैसा हो हरदा इसे भी स्वार्थ के चश्मे से देखते हैं। स्वार्थ के लिए तो हरदा सीएम रहते हुए गंगा को नाले का स्वरूप दे चुके हैं और अब पार्टी छोड़ने वालों को गंगा से तुलना कर रहे हैं जो कि निरर्थक है। हरिद्वार मे गंगा उन्हे इस बार सच्चाई का बोध कराने वाली है।

चौहान ने कहा कि भाजपा मे पीएम मोदी और सीएम धामी के विकास से प्रभावित और भाजपा की रीति, नीति और सिद्धांतों मे विश्वास रखने वालों का स्वागत और सम्मान किया जाता रहा है। अनुशासित पार्टी के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाती रही। भाजपा मे कांग्रेस की भाँति खाता न बही हरीश रावत कहे वही सही की परंपरा नही है। सालों तक कांग्रेस के स्तंभ रहे कार्यकर्ता अब उन्हे पापी नजर आ रहा है तो यह उनका दृष्टि दोष ही कहा जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस नेता गणेश गोदियाल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा चुनाव हथियाने की कोशिश नही कर रही, बल्कि कांग्रेस के हिडन एजेंडे को लेकर पीएम चेता रहे हैं। कांग्रेस अब तक बहुसंख्यकों को देश मे दोयम दर्जे का नागरिक मानती रही और डॉ मनमोहन सिंह ने अपने इरादे भी जता दिये थे, लेकिन

जनता ने कांग्रेस के इरादों पर ग्रहण लगा दिया। अब उसके घोषणा पत्र से जो इरादे सामने आये उससे कांग्रेस बौखला गयी है और अमर्यादित बोल रही है जिसका जनता जवाब देगी।

पल्टन बाजार में गारमेंट्स की दुकान में आग लगाने वाले अभियुक्त को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पल्टन बाजार में गारमेंट्स की दुकान में आग लगाने वाले अभियुक्त को दून पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बीती देर रात्री पलटन बाजार स्थित ''ओमजी गारमेंटस'' की दुकान पर आग लगने की घटना के संबंध में दुकान स्वामी नवनीत राजवंशी पुत्र स्व. ओमप्रकाश राजवंशी, निवासी 49 पल्टन बाजार कोतवाली देहरादून द्वारा कोतवाली नगर में अज्ञात अभियुक्त द्वारा उनकी दुकान में पेट्रोल छिडककर आग लगाने के सम्बंध में दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात को पंजीकृत किया गया।

घटना की गंभीरता के दृष्टिगत तत्काल अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया, गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन करते हुए सीसीटीवी कैमरे की फुटेजों में प्रकाश में आये संदिग्ध को चिन्हित करते हुए, अभियुक्तों की तलाश हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया तथा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना में शामिल अभियुक्त को मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी अरूण कालरा पुत्र चानन शाह कालरा, निवासी गोविंदगढ, थाना कैन्ट, देहरादून, उम 58 वर्ष (राजपुर रोड में रेस्ट्रोरेंट) है।

प्रेगनेंसी में थकान और कमजोरी है तो हो जाएं सावधान... वरना हो सकती है ये बीमारी

मां बनना हर लडक़ी का सपना होता है. लेकिन प्रेगनेंसी के दौरान होने वाली तकलीफें सहन करना थोड़ा मुश्किल होता है. ऐसे में महिलाओं के हार्मोन चेंज होना आम बात है. प्रेगनेंसी के दौरान थकान और कमजोरी एक सामान्य अनुभव हो सकता है, जिसे आप हल्के में ना लें. प्रेगनेंसी के समय आमतौर पर महिलाएं एनीमिया से भी पीड़ित हो जाती हैं.

आहार में पर्याप्त आयरन

बता दें कि गर्भावस्था में एनीमिया मां और शिशु दोनों के लिए ही खतरा बन जाता है. ऐसी स्थिति में महिलाएं शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों के कारण थकान महसूस करती है. इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि कई बार यह किसी अन्य समस्या का संकेत भी हो सकता है. यदि आप मानसिक रूप से स्वस्थ हैं, तो होने वाला बच्चा भी स्वस्थ ही रहेगा. इसके लिए आप पर्याप्त आराम करें, व्यायाम करें, स्वस्थ भोजन करें और तनाव न लें. गर्भावस्था में महिलाओं को अपने आहार में पर्याप्त आयरन लेना चाहिए, यदि उन्हें आयरन नहीं मिलता है, तो एनीमिया होने की आशंका बढ़ जाती है.

ऐसे होता हैं महिलाओं में एनीमिया

प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में कई परिवर्तन होते हैं. कई महिलाओं को इस दौरान तकलीफें और समस्याएं होती हैं. जैसे – थकान और कमजोरी होना, चक्कर आना, नींद न आना, एनीमिया, साइकोलॉजिकल प्रेशर, पेट की समस्याएं, स्तन के दर्द आदि. फोलेट की कमी से भी महिलाओं में एनीमिया देखा जाता है. इसके अलावा कई बार अनहेल्दी फूड और इंफेक्शन के कारण भी गर्भवती महिलाएं एनीमिया का शिकार होती हैं. रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होती है, जिससे शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है.

एनीमिया के लक्षण

गर्भवती महिलाओं को अगर सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, चक्कर, थकान, कमजोरी जैसे लक्षण दिखें तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं, क्योंकि ये लक्षण एनीमिया के हैं. एनीमिया में स्किन का रंग पीला हो जाता है और हाथ-पैर ठंडे होने लगते हैं. ऐसी स्थिति यदि महिला की है तो उसे हल्के में ना लें और डॉक्टर से स्थिति के आधार पर उपचार करवा लें.

कसरत के बाद मांसपेशियों के दर्द को दूर करने के लिए अपनाएं ये तरीके

कसरत के बाद मांसपेशियों में दर्द होना सामान्य बात है, खासतौर से अगर आप उच्च तीव्रता वाले व्यायामों को करते हैं। इसके अतिरिक्त गलत तरीके से व्यायाम करने पर भी मांसपेशियों में दर्द होने लगता है।अमूमन लोग इसे दूर करने के लिए पेनकिलर का सेवन करते हैं, लेकिन इसे दूर करने या इससे बचे रहने के कुछ प्राकृतिक तरीके भी हैं।आइए आज हम आपको 5 ऐसे तरीके बताते हैं, जिनसे मांसपेशियों का दर्द दूर हो सकता है।

वार्मअप और कूल डाउन होने का बनाए नियम

अगर आप चाहते हैं कि कसरत के बाद आपकी मांसपेशियों में दर्द न हो तो किसी भी व्यायाम को करने से 5-10 मिनट पहले वार्मअप करना बहुत जरूरी है।इसी तरह व्यायाम करने के बाद शरीर को कूल डाउन यानी आराम देना भी जरूरी है।इसके लिए आप कुछ स्ट्रेचिंग व्यायाम कर सकते हैं क्योंकि इससे शरीर का तापमान और हॉर्ट रेट धीरे-धीरे सामान्य हो जाता है।यहां जानिए शरीर को कूल डाउन करने वाले योगासन।
एकदम से व्यायाम करना बंद न करें

शरीर को कूल डाउन करने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप एकदम से व्यायाम बंद कर दें।उदाहरण के लिए अगर आप दौड़ रहे हैं तो फिर धीरे-धीरे अपनी गति को कम करें, लेकिन दौड़ते हुए एकदम से न रूकें।अन्य एक्सरसाइज के बाद शरीर को मांसपेशियों को आराम देने के लिए आप स्ट्रेचिंग समेत फॉम रोलिंग जैसे व्यायाम भी कर सकते हैं क्योंकि इनसे शरीर का तापमान सामान्य हो जाता है।

आराम के समय को कम न करें

कई लोग व्यायाम के बाद आराम करना महत्वपूर्ण नहीं समझते हैं इसलिए वे इसे छोड़ देते हैं या इसका समय काफी छोटा रखते हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है।दरअसल, व्यायाम के बाद शरीर के तापमान को सामान्य होने में थोड़ा समय लगता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप कसरत के बाद अच्छे से आराम करें।जैसे अगर आपने 60 मिनट तक कसरत की है तो इसके बाद 10-15 मिनट तक धीरे-धीरे व्यायाम छोड़ते हुए आराम करें।

खान-पान पर दें अतिरिक्त ध्यान

व्यायाम के बाद मांसपेशियों के दर्द को दूर करने के लिए पर्याप्त जलयोजन और पोषण की आवश्यकता होती है।पर्याप्त मात्रा में खाने में मौजूद प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और एंटी-ऑक्सीडेंट्स मासंपेशियों की सूजन और दर्द को दूर करके इन्हें मजबूती प्रदान कर सकते हैं।इसी के साथ भरपूर पानी का सेवन करें और नारियल पानी, नींबू पानी सहित फलों के ताजे जूस को भी अपनी डाइट में शमिल करें।

हेल्दी समझकर क्या आप भी एयर फ्रायर में पकाते हैं खाना जानें इसे लेकर क्या कहते हैं हेल्थ एक्सपर्ट्स

आजकल खाना पकाने के लिए जीरो-ऑयल कूकिंग और कम तेल का इस्तेमाल काफी हो रहा है. इसमें एयर फ्रारयर में खाना पकाया जा रहा है. फिटनेस फ्रीक लोग एयर फ्रायर को काफी पसंद करते हैं. हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या एयर फ्रायर में पकाया गया खाना साधारण तरीके से तेल में तलकर बनाए गए खाने से अच्छा होता है. क्या इसे खाना ज्यादा हेल्दी होता है. आइए जानते हैं हेयर फ्रायर में पकाए गए खाने के फायदे और नुकसान...

एयर फ्रायर में खाना पकाने के फायदे

एयर फ्रायर में बहुत कम तेल में खाना पकाया जाता है. इसका इस्तेमाल भी काफी आसान होता है. इससे समय की बचत भी होती है. ऐसे लोग जो कोलेस्ट्रॉल, मोटापा और ब्लड प्रेशर बढऩे के डर से तली हुई चीजें नहीं खा पाते हैं, वे एयर फ्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसमें आलू टिक्की, समोसा जैसी चीजें बनाकर खा सकते हैं. हालांकि, यह कितना सही इसके लिए एक्सपर्ट्स से सलाह ले लेनी चाहिए.

एयर फ्रायर को लेकर क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

डायटिशियन-न्यूट्रिशन एक्सपर्ट रुजुता दिवेकर एयर फ्राइंग, डीप फ्राइंग या पारंपरिक तरीके से तलकर खाना पकाने की तुलना में हेल्दी नहीं है. उनका कहना है कि एयर फ्रायर में खाना पका कर ज्यादा खाना गलत है. हालांकि,सही और सीमित मात्रा में तला हुआ या डीप फ्राइड खाना नुकसानदायक नहीं होता है. एक बार में आधा समोसा या 6-8 पकौड़े खाने से कोई नुकसान नहीं है. इससे ज्यादा डीप फ्राइड खाना नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए सेहत और खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए.

एयर फ्राइंग कूकिंग से क्या नुकसान

1. ज्यादा आंच पर खाना पकाने से एयर फ्रायर में रखे फूड्स के न्यूट्रिएंट्स गायब हो सकते हैं.

2. स्टार्च वाले फूड्स चावल, मक्का और कुछ सब्जियां एयर फ्रायर में ज्यादा देर तक पकने से एक्राइलमाइड नाम का कंपाउंड बना सकते हैं, जो कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है.

वनाग्नि से निपटने में सरकारी सिस्टम पूरी तरह फेल : धस्माना

देहरादून । उत्तराखंड के जंगलों में तेजी से फैलती आग को रोकने में सरकारी सिस्टम के नाकाम रहने पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कांग्रेस भवन में प्रेस से बातचीत में सरकार के आपदा प्रबंधन के दावों पर सवाल उठाए। कहा कि पूरे प्रदेश के साथ राजधानी देहरादून तक में आग से निपटने को लेकर आपदा प्रबंधन का इंतजाम नहीं है। धस्माना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया था कि दस सालों में आपदाओं से निपटने का एक बड़ा प्रभावी तंत्र विकसित किया गया है। ये तंत्र कितना प्रभावी है, इसकी पोल इस अप्रैल महीने में ही उत्तराखंड में खुल गई है। गर्मियां शुरू होते ही पूरे राज्य के जंगल जल रहे हैं। लगातार घटनाएं बढ़ रही हैं। नैनीताल, अल्मोड़ा, चम्पावत, पिथौरागढ़, पौड़ी में हालात बेकाबू हो रखे हैं। इन घटनाओं से निपटने की तैयारी सितंबर महीने से ही शुरू करनी थी। उत्तराखंड में ये तैयारी आग लगने के बाद शुरू होती है। इसका खामियाजा पूरे राज्य को भुगतना पड़ रहा है। कहा कि आग की घटना से निपटने का सिस्टम राजधानी देहरादून में ही ठप है। आपदा प्रबंधन मशीनरी का रिस्पॉन्स सिस्टम तक निराशाजनक है। सोमवार को खुड़बुड़ा छबील बाग में लगी आग ने ट्रिपल इंजन की सरकार की पोल खोल दी है। यहां फायर ब्रिगेड को पहुंचने में ही डेढ़ घंटे से अधिक का समय लग गया। जबकि राजधानी देहरादून में पूरा सरकारी अमला मौजूद है।

इसरो स्पेस ट्यूटर्स ने कार्यशाला कर छात्रों को विज्ञान की विधाओं के विषय में दी जानकारी

देहरादून,संवाददाता। 27 अप्रैल को, ISRO स्पेस ट्यूटर्स ने फूलचंद नारी शिल्प मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज, देहरादून और श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज, मोथरोवाला, देहरादून में कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में लगभग सौ छात्र भाग लिए और अंतरिक्ष और खगोलशास्त्र के मौलिक अवधारणाओं को विकसित किया। गुरु राम राय इंटर कॉलेज, मोथरोवाला में प्रधानाचार्य श्री दिनेश डोबरियाल ने विद्यालय के छात्रों को विज्ञान की विभिन्न विधाओं के विषय में जानकारी दी व स्पेक्स का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर प्रीति रावत,विज्ञान शिक्षक व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ अनिता रावत, निदेशक, यूसर्क, देहरादून ने छात्रों को आजकल अंतरिक्ष और खगोलशास्त्र के महत्व के बारे में बताया और यह कैसे छात्रों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, उन्होंने तकनीक के द्वारा लोगों के जीवन में क्रांति कैसे आ सकती है, इस पर चर्चा की।

इस अवसर पर फूलचंद नारी शिल्प मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज, देहरादून के प्राचार्य श्रीमती मोना बाली ने भी छात्रों को नई और नवाचारी चीज़ों की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया और उन्होंने यूसर्क और डॉ। अनिता रावत का धन्यवाद किया।इसके अलावा, इसरो स्पेस ट्यूटर्स, रघव शर्मा और सौरभ कौशल ने छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान और खगोलशास्त्र से संबंधित अवधारणाओं के बारे में बताया और कैसे छात्र भविष्य में अंतरिक्ष अनुसंधान कार्य में हिस्सा बन सकते हैं और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं, इस पर बातचीत की। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाओं में श्रीमती शांति बिष्ट,रेनू जोशी,सुषमा कोहली,मीनू गुप्ता,सुश्री सुजाता शर्मा,सीमा सिंह,श्रीमती नीलिमा मनी श्रीमती भारती आदि उपस्थित रहे।

सिस्टोबाल टीम में चुने गए उत्तराखंड के तीन खिलाड़ी

हरिद्वार, संवाददाता। मलेशिया की राजधानी कुआलंपुर में आयोजित की जा रही इंडो मलेशिया इंटरनेशनल सिस्टोबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में उत्तराखंड के तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। सिस्टोबाल एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड के चेयरमैन सुखदेव सिंह नामधारी, प्रदेश अध्यक्ष पूनम भगत ने सभी खिलाड़ियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। सिस्टोबाल एसोसिएशन आफ उत्तराखण्ड के चेयरमैन सुखदेव सिंह नामधारी ने टीम में चुने गए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि मलेशिया में 15 से 21 मई तक आयोजित की जा रही सिस्टोबाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने वाली भारत की टीम में उत्तराखण्ड के तीन खिलाड़ियों पुरूष वर्ग में शशीकांत, महिला वर्ग में ईवा डोगरा और अनन्या रावत का चयन हुआ है। टीम में चुने गए उत्तराखंड के तीनों खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने बताया कि सिस्टोबाल अर्जेंटीना का परंपरागत खेल है। जो कि भारत में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। युवा पीढ़ी को नशे आदि से बचाने के लिए खेलों को बढ़ावा दिया जाना जरूरी है। सरकार भी इस दिशा में प्रयास कर रही है। सिस्टोबाल एसोसिएशन आफ उत्तराखण्ड की प्रदेश अध्यक्ष पूनम भगत ने कहा कि उत्तराखण्ड में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उत्तराखण्ड की प्रतिभाएं विभिन्न खेलों में देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रही है।

बॉस्केटबाल से मिलते जुलते सिस्टोबाल को उत्तराखण्ड में बढ़ावा देने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि टीम में चयनियत तीनो खिलाड़ी मलेशिया में चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने से पूर्व बैंगलोर में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। मलेशिया चैंपियनशिप के बाद टीम श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित की जा रही प्रतियोगिता में भाग लेगी।

अरविंद केजरीवाल को 10 साल तक जेल में रखेंगे क्या, रोड शो में सुनीता ने पूछा

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल पूरी एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। आम आदमी पार्टी भी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है। इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने दिल्ली में रोड शो किया। सुनीता केजरीवाल ने दिल्ली के तिलक नगर में रोड शो किया है। इस रोड शो के दौरान सुनीता केजरीवाल ने कहा, %मंदिर इंडिया की बेटी होने के नाते, मैं आपसे अपील करती रहूं कि लोकतंत्र को बचाने के लिए तानाशाही के खिलाफ मतदान करें।% इस रोड शो के दौरान अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पूछा कि क्या केजरीवाल को यह लोग 10 साल तक जेल में रखेंगे क्या?

सुनीता केजरीवाल के इस रोड शो का वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि सड़क पर आम आदमी पार्टी के झंडे लहराए जा रहे हैं। आप के समर्थक सुनीता केजरीवाल का अभिवादन कर रहे हैं। रोड शो के दौरान सुनीता केजरीवाल ने कहा, %आपके मुख्यमंत्री और मेरे पति अरविंद केजरीवाल को इन्होंने एक महीने से जेल में डाल रखा है। किसी कोर्ट ने उन्हें दोषी नहीं कहा। ऐसे अगर जेल में डाल देंगे और कह रहे हैं कि जांच चल रही है। अगर जांच चल रही है तो क्या दस साल जेल में रखेंगे।%

सुनीता केजरीवाल ने कहा कि पहले कोई भी आदमी जेल भी तब ही जाता था तब कोई कोर्ट उसे दोषी ठहराता था। अभी इनका नया सिस्टम आया है कि जब तक जांच या मुकदमा चलेगा जेल में रखेंगे। यह तो सरासर गुंडागर्दी और तानाशाही है। अरविंद केजरीवाल को पिछले 22 साल से शुगर है वो हर रोज इंसुलिन लेते हैं। जेल गए तो इनकी इंसुलिन बंद कर दी। इनकी इंसुलिन बंद कर दी गई। ऐसे तो इनकी किडनी और लीवर दोनों ही खराब हो जाएगी। इसके लिए भी अदालत में जाना पड़ा। ये क्या केजरीवाल को खत्म करना चाहते हैं? आपको बका दें कि पश्चिमी दिल्ली से आम आदमी पार्टी ने महाबल मिश्रा को मैदान में उतारा है। सुनीता केजरीवाल महाबल मिश्रा के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रही थी। सुनीता केजरीवाल ने इस दौरान कहा कि आपके मुख्यमंत्री शेर हैं और वो किसी से डरने वाले नहीं हैं। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गलती क्या है? उन्होंने मुफ्त बिजली दी, पहले दिल्ली में पावर कट होता था लेकिन अब दिल्ली में चौबीस घंटे बिजली आती है। आपके बच्चों के लिए स्कूल बनाए गए हैं। मोहल्ला क्लीनिक बनाए गए हैं और अब महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये दिए जाएंगे। इससे पहले सुनीता केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली के कोंडली में एक रोड शो किया था।

ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर हरियाणा के यात्रियों से ठगे छह हजार

हरिद्वार, संवाददाता। यात्रा सीजन शुरू होने के साथ ही यात्रियों से ठगी करने वाले गैंग भी सक्रिय हो गए हैं। हरिद्वार में एक धर्मशाला में ऑनलाइन कमरे बुक करने के नाम पर हरियाणा के यात्रियों से 6 हजार की ठगी का मामला सामने आया है। यात्रियों ने ऑनलाइन वेबसाइट पर जयपुरिया भवन धर्मशाला में चार कमरे बुक कराए थे। जिसके लिए उन्होंने पेमेंट ऑनलाइन कर दी थी। यात्रियों को हरिद्वार पहुंचने पर पता चला कि धर्मशाला की ओर से उनके लिए कोई बुकिंग नहीं की गई है। जिसके बाद उन्हें अपने साथ हुई ठगी का पता चला। हरिद्वार के एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। इस पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोग अधिकृत वेबसाइट के जरिए ही बुकिंग करें।

आईपीएल टीम को लेकर हुए विवाद में दोस्त को मारी गोली, दो गिरफ्तार

नैनीताल,संवाददाता। आईपीएल टीम बनाने को लेकर हुए विवाद के दौरान दोस्त पर ही गोली चलाने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनको न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार बीती 21 अप्रैल को सुशील कुमार मौर्य पुत्र किशन मौर्य निवासी आनन्दपुर द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया था कि किशन उर्फ बबलू द्वारा उनके भतीजे वेदान्त मौर्य को जान से मारने की नियत से गोली मारकर घायल कर दिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आज सुबह बेलबाबा मन्दिर के 500 मीटर की दूरी पर मोतिया लाईन के पास रामपुर रोड हल्द्वानी से हत्या के प्रयास के आरोपी किशन ठाकुर उर्फ बब्लू व उसके सहयोगी सुरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कि सुशील मौर्य हमारा दोस्त था जिसके घर आना जाना रहता था बताया कि 20 अप्रैल को आईपीएल में टीम बनाने को लेकर उनका झगड़ा हुआ था जिस कारण मारपीट व गुस्से में आकर हम लोगो ने सुशील मौर्य पर तमंचे से फायर कर दिया गया था। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

निर्वाचन प्रक्रिया पर राजनैतिक आरोप लगाने का नैतिक अधिकार किसी को नही : महेंद्र भट्ट

प्रीतम को कांग्रेस में शेष बचे नेताओं की चिंता करनी चाहिए, क्योंकि निकाय व पंचायत चुनाव के दौरान वे भी पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं

देहरादून (संवाददाता)। भाजपा ने निकाय चुनाव की तैयारियों को आगे बढ़ाने के साथ विधानसभा उपचुनावों को विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है । प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने ईवीएम की सुरक्षा को लेकर कांग्रेसी आरोपों को लोकसभा चुनाव में दिखाई दे रही निश्चित हार के प्रति हताशा बताया है । साथ ही भाजपा की अंदरूनी गतिविधियों पर टिप्पणियों के लिए कांग्रेस पर तंज किया कि उन्हे अपनी पार्टी में शेष रहे गिने चुने लोगों को वहां बनाए रखने की चिंता करनी चाहिए, क्योंकि पंचायत और निकाय चुनाव में बड़े पैमाने पर उनके नेता कार्यकर्ता फिर कांग्रेस को छोड़ने वाले हैं ।

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में श्री भट्ट ने जानकारी दी कि राज्य में रिक्त दो विधानसभा उपचुनाव को लेकर पार्टी ने चुनाव प्रभारी की नियुक्ति की है। जिसके तहत बद्रीनाथ सीट के लिए श्री विजय कप्रवाण एवं मंगलोर सीट के लिए श्री अजीत चौधरी को जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान निकाय चुनावों को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर पूछे सवालों का जवाब देते हुए कहा, निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और किसी को भी उसकी प्रक्रिया पर आरोप लगाने का नैतिक हक नही है । सरकार पर इस संबंध में लगाए आरोपों पलटवार कर उन्होंने कहा, विपक्ष भी जानता है कि निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया से सरकार का कोई लेना देना नही है। लिहाजा उनके सभी आरोप तथ्यों से परे और बेबुनियाद हैं । जहां तक सुझाव की बात है तो उसे सभी दे सकते हैं, हमारे संज्ञान में भी मतदाता सूची को लेकर बड़े पैमाने पर त्रुटियां होने की जानकारी आयी हैं । जिसके संबंध में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से चर्चा की गई है, साथ ही नगर निकाय मंत्री से भी फोन पर वार्ता हुई है। उन्होंने कहा, 7 से 10 दिन लगाकर, बीएलओ को डोर टू डोर संपर्क कर सूची को दुरस्त करना चाहिए ।

उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा को लेकर लगाए गोदियाल के आरोपों पर पलटवार कर कहा, चुनाव आयोग और संवैधानिक प्रक्रिया पर झूठे आरोप लगाना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है । आज उन्हे सुरक्षा बलों पर विश्वास नहीं, चुनाव आयोग पर विश्वास नहीं और उसके अधीन प्रशासनिक तंत्र पर भी विश्वास नहीं है। जबकि ईवीएम की सुरक्षा को लेकर लगभग यही प्रक्रिया पहले भी अपनाई जाती रही हैं । क्योंकि अब वह बखूबी जानते हैं कि जनता का उन पर विश्वास नहीं है, इसलिए निर्वाचन प्रक्रिया पर अविश्वास जताकर अपनी खीज उतारी जाए । सुप्रीम कोर्ट के हाल में दिए निर्णय के बाद अब तो कम से कम कांग्रेस नेताओं को ईवीएम को लेकर बयान बाजी से बचना चाहिए। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा, फिर भी यदि कांग्रेस को कोई शंका है तो उन्हें अपने कार्यकर्ताओं को ईवीएम स्ट्रांग रूम परिसर में तैनात करना चाहिए। साथ ही वहां सीसीटीवी कैमरा से भी 24 घंटे निगरानी की जा रही है उसकी रिकॉर्डिंग देखने का अधिकार सभी को है। ऐसे तमाम आरोपों से एक ही बात साबित होती है कि कांग्रेस बुरी तरह चुनाव हारने जा रही है ।

कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह की भाजपा को लेकर की गई टिप्पणी पर तंज कसते हुए कहा, उन्हे अपनी पार्टी में शेष रह गए लोगों को रोके रखने की चिंता करनी चाहिए बजाय हमारी पार्टी में आए लोगों की । क्योंकि आने वाले दिनों में निकाय एवं पंचायत चुनाव में बड़ी संख्या में कांग्रेसियों का पाला बदलना तय है, लेकिन हम भी चाहते हैं कांग्रेस अब नही टूटे । साथ कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि हमारी पार्टी जो लोग आते हैं उनकी चिंता हम सब करते हैं। और जो छोड़ कर चले भी जाते हैं, उसे हम अपनी कमी मानते हैं, कांग्रेस की तरह आरोप नही लगाते हैं।

एनयूजे ने विद्यालयों में किया कला प्रतियोगिता का आयोजन

हरिद्वार,संवाददाता। नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स द्वारा विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं प्रतिभा विकास की दृष्टि से जनपद के विभिन्न विद्यालयों में कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सैकड़ों विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा के रंग उकेरे।

प्राइमरी से इंटरमीडिएट तक की विभिन्न कक्षाओं और आयुवर्ग के विद्यार्थियों के लिए एनयूजे की और से जनपद के श्यामपुर स्थित राजकीय इंटर कालेज, आदर्श इंटर कालेज, सनवेल मोंटेसरी पब्लिक स्कूल मॉडल कालोनी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुभाषनगर आदि में आयोजित कला प्रतियोगिताओं में सैकड़ों विद्यार्थियों ने चित्रों के माध्यम से जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण से दूषित हो रहे पर्यावरण की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। धूम्रपान से स्वास्थ्य पर पढ़ने वाले दुष्प्रभाव और प्रदूषण से समुद्री जीवों पर मंडराते खतरों के प्रति भी विद्यार्थियों ने सुन्दर चित्र बनाये।

कला प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज श्यामपुर की कक्षा दस की छात्रा कु. नन्दिनी ने प्रथम, कु.गीतिका उनियाल ने द्वितीय तथा कक्षा नौ की सलोनी नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की कक्षा नौ की छात्रा कनिष्का और मानसी ने चतुर्थ तथा तनिशा से पांचवा स्थान प्राप्त किया। सनवेल मोंटेसरी पब्लिक स्कूल की छात्रा आयुशी सोलियाल ने प्राइमरी वर्ग में प्रथम, रिया सक्सेना द्वितीय तथा यंसिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुभाषनगर की अवनि गुप्ता ने प्रथम, ममता ने द्वितीय तथा रौनक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के प्रदेश अध्यक्ष त्रिलोक चन्द्र भट्ट के मार्गदर्शन और जिलाध्यक्ष सुदेश आर्या एवं महासचिव मुकेश कुमार सूर्या के संयोजन में आयोजित प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक आयोजन में नवीन कुमार कश्यप, धीरेन्द्र सिंह रावत, राजवेन्द्र कुमार, सूर्या सिंह राणा, प्रभाष भटनागर, अश्वनी धीमान, भगवती प्रसाद गोयल, रेखा नेगी, नवीनचन्द्र पाण्डे, सुनील शर्मा, राहुल शर्मा, धनसिंह बिष्ट आदि ने सहयोग किया। राजकीय इंटर कालेज श्यामपुर के प्रधानाचार्य महेन्द्र लाल, अध्यापक उपेन्द्र कुमार, राजेश राय, बिजेन्द्र सिंह, केवलानंद पांडे, दिनेश प्रसार रतूड़ी, नितिन देव, रमेश जोशी, लक्ष्मी चमोली, पूजा चन्दोला, आदर्श इंटर कालेज के प्रधानाचार्य अभिषेक पैन्यूली, हेमलता चौहान, मो.शहजाद अंसारी, सुनील कुमार पाण्डे और सुश्री बेबी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुभाषनगर की वरिष्ठ अध्यापिका सुरभि नेगी, जगदंबा तथा सनवेल मोंटेसरी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य अनीता जैन, अध्यापिका सोमा उनियाल, रजनी शर्मा, सम्पत्ति, सुनीता भटनागर, हेमा शर्मा, मधु शर्मा, बिंदु तिवारी ने विद्यार्थियों में कलात्मक सृजन बढ़ाने और प्रतिभा विकास के लिए नेशनलिस्ट यूनियन ऑफजर्नलिस्ट्स की प्रशंसा करते हुए शैक्षिक उन्नयन कार्यक्रम को वर्तमान के साथ भविष्य की जरूरत बताया।

जहां संत निवास करते हैं वह स्थान तीर्थ के समान पवित्र हो जाता है : श्रीमहंत रविंद्रपुरी

हरिद्वार । अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि हरिद्वार कलयुग का प्रधान तीर्थ है, जहां संत निवास करते हैं। वह स्थान तीर्थ के सम्मान के पवित्र हो जाता है। सप्तऋषियों की भूमि पर बन रहा अखण्ड दयाधाम धर्म और सेवा का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने अखण्ड दयाधाम के भूमि पूजन और श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम अवसर पर संत सम्मेलन में कहा कि स्वामी भास्करानंद महाराज विद्वान संत हैं। श्रद्धालुओं को आश्रम में उनके सानिध्य में धर्म और अध्यात्म का मार्गदर्शन भी मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती ने की।

नहीं थम रही उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग

देहरादून (ञ्चड्डश्वञ्चड्डद्बह्द)। उत्तराखंड में जंगल की आग थम नहीं रही है। सोमवार को गढ़वाल से कुमाऊं तक 47 जगह जंगल धधके। अपर प्रमुख वन संरक्षक निशांत वर्मा ने बताया, ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई जा रही है। राज्य में जंगल में आग लगाने के मामले में 10 अन्य के खिलाफ नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। राज्य में तापमान बढ़ते ही जंगल की आग की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। रविवार को प्रदेशभर के जंगलों में आग की मात्र आठ घटनाएं हुईं, जबकि सोमवार को वनाग्नि की घटनाएं बढ़कर 47 हो गई। वन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, भूमि संरक्षण रामनगर वन प्रभाग में तीन और भूमि संरक्षण रानीखेत वन प्रभाग में वनाग्नि की दो घटनाएं हुई हैं। अल्मोड़ा वन प्रभाग के आरक्षित वन क्षेत्र में दो, सिविल सोयम वन प्रभाग में तीन, पिथौरागढ़ वन प्रभाग के आरक्षित वन क्षेत्र में पांच, चंपावत वन प्रभाग में दो, तराई पश्चिमी रामनगर वन प्रभाग में एक, रामनगर वन प्रभाग के आरक्षित वन क्षेत्र में एक, लैंसडौन भूमि संरक्षण वन प्रभाग में एक और कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग में वनाग्नि की एक घटना हुई, जिससे 78 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है। रामगढ़ से लगे गागर और महेशखान के जंगल में रविवार को लगी आग पर सोमवार सुबह एनडीआरएफ और वन विभाग की टीम ने काबू पाया। आग से वन संपदा को काफी नुकसान पहुंचा है।

भेलकर्मी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

हरिद्वार । ज्वालापुर क्षेत्र में भेलकर्मी ने फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी रमेश तनवार ने बताया कि शुक्रवार दोपहर रानीपुर कोतवाली पुलिस ने सूचना दी कि भेल अस्पताल में भर्ती एक युवक को मृत घोषित किया गया है। बताया कि मृतक का नाम जनय चौहान पुत्र सत्यपाल सिंह निवासी न्यू धीरवाली ज्वालापुर है। प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया कि मृतक भेलकर्मी ने अपने घर पर फांसी लगा ली। परिजन उसे भेल अस्पताल ले गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम जांच में जुटी है। शव कोपोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

निदेशक पंचायतीराज निधि यादव की मेहनत लायी रंग, पीडीआई रैंकिंग में पहले नम्बर पर आया उत्तराखंड

देहरादून । पंचायती राज विभाग ने अब ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों की हकीकत तय करने के लिए पंचायत विकास सूचकांक (पीडीआई) जारी की हैं जिसमें उत्तराखंड को देश में पहला स्थान मिला हैं। निदेशक पंचायतीराज निधि यादव के निर्देशन में उत्तराखंड पंचायतीराज विभाग नित नये नये आयाम स्थपित कर रहा है । पंचायतो में ट्रेनिंग हो या फिर कार्य पारदर्शिता सभी में पंचायतीराज विभाग तेजी से आगे बढ़ रहा है ।निदेशक पंचायतीराज निधि यादव के निर्देशन में ही पंचायतों के डिजिटलीकरण का सपना भी साकार होता नजर आ रहा हैं । निदेशक पंचायतीराज निधि यादव के निर्देशन में उत्तराखंड प्रदेश के पंचायतों को हाईटेक होते जब देखते है तो डिजिटल इण्डिया का सपना साकार होता नजर आता है । इसके साथ ही निदेशक पंचायतीराज निधि यादव ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक अनूठी पहल शुरू की है।

निदेशक पंचायतीराज निधि यादव के नेतृत्व में लगातार हाईटेक हो रही हैं उत्तराखंड में पंचायते

निदेशक पंचायतीराज निधि यादव ने बताया कि पीडीआई पंचायतों में विकास को आवंटित धन और उसके समुचित उपयोग का पैमाना बनेगी। इसी रिपोर्ट के आधार पर पंचायतों में नई योजनाएं लागू करने के साथ ही पुरस्कार के लिए पंचायतें अपना स्थान बना सकेंगी। पंचायत विकास सूचकांक एक बहुआयामी वार्षिक रिपोर्ट हैं। इसमें पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला बाल कल्याण, कृषि संसाधन, पशुपालन, बैंकिंग, आजीविका, खाद्य सुरक्षा, आवास, रोजगार, नवनिर्माण सहित विभिन्न इंडीकेटर के तहत डाटा

PDI PANCHAYAT DEVELOPMENT INDEX PORTAL

पंचायत विकास सूचकांक पोर्टल
Panchayat Development Index (PDI) Portal

PDI Data Verification - Performance Monitoring : State-wise Performance (22/Mar/2024 10:03 AM)

#	State / UT	Total DCF	GPs	DCF per GP	DCF Submitted by GP	% Progress by GP	DCF Submitted by State	DCF % Progress by State	DCF Pending with Line Dept	DCF Pending with BDO	DCF Pending with District	DCF Pending with State
1	Uttarakhand	1,32,515	7,795	17	1,32,515	100%	7,763	5%	89,923	11,928	17,368	5,533
2	West Bengal	33,390	3,339	10	33,091	99%	0	0%	6,331	1,683	24,459	618
3	Gujarat	2,63,178	14,621	18	2,60,126	98%	13,092	4%	74,245	34,858	1,23,705	14,226
4	The Dadra And Nagar Haveli And Daman And Diu	760	38	20	689	90%	673	88%	14	2	0	0
5	Tripura	16,464	1,176	14	14,186	86%	0	0%	5,141	2,461	6,282	302
6	Andhra Pradesh	3,06,498	13,326	23	2,62,000	85%	11,367	3%	2,28,765	5,828	14,849	1,191
7	Kerala	12,233	941	13	8,740	71%	0	0%	7,277	962	501	0
8	Odisha	74,734	6,794	11	48,656	65%	0	0%	42,498	2,699	3,459	0
9	Telangana	1,27,690	12,769	10	52,720	41%	0	0%	43,159	3,687	5,870	4
10	Lakshadweep	210	10	21	85	40%	3	1%	54	13	15	0
11	Maharashtra	6,41,631	27,897	23	2,55,483	39%	10,984	1%	2,31,518	5,372	5,753	1,856
12	Mizoram	11,690	835	14	3,360	28%	241	2%	2,205	628	136	150
13	Himachal Pradesh	61,455	3,615	17	16,762	27%	988	1%	14,561	147	1,044	22
14	Rajasthan	2,46,488	11,204	22	62,089	25%	0	0%	58,836	1,530	1,723	0
15	Uttar Pradesh	6,92,424	57,702	12	1,60,971	23%	13,410	1%	1,47,556	5	0	0
16	Punjab	1,72,133	13,241	13	37,414	21%	0	0%	36,864	185	365	0
17	Andaman And Nicobar Islands	3,432	264	13	91	2%	0	0%	91	0	0	0
18	Madhya Pradesh	2,07,099	23,011	9	3,862	1%	0	0%	3,670	21	171	0
19	Jharkhand	60,830	4,345	14	910	1%	64	0%	843	3	0	0
20	Jammu And Kashmir	38,619	4,291	9	270	0%	0	0%	267	0	3	0
21	Assam	39,915	2,661	15	240	0%	16	0%	224	0	0	0
22	Chhattisgarh	1,51,450	11,650	13	169	0%	0	0%	169	0	0	0
23	Bihar	1,61,080	8,054	20	120	0%	6	0%	114	0	0	0
24	Haryana	1,05,791	6,223	17	68	0%	0	0%	68	0	0	0
25	Manipur	1,06,128	3,216	33	0	0%	0	0%	0	0	0	0
26	Arunachal Pradesh	37,944	2,108	18	0	0%	0	0%	0	0	0	0
27	Tamil Nadu	2,25,450	12,525	18	0	0%	0	0%	0	0	0	0
28	Sikkim	3,383	199	17	0	0%	0	0%	0	0	0	0
29	Ladakh	2,702	193	14	0	0%	0	0%	0	0	0	0
30	Goa	1,719	191	9	0	0%	0	0%	0	0	0	0
31	Meghalaya	0	6,795	0	0	0%	0	0%	0	0	0	0
32	Nagaland	0	1,279	0	0	0%	0	0%	0	0	0	0
33	Puducherry	0	108	0	0	0%	0	0%	0	0	0	0
34	Karnataka	0	5,953	0	0	0%	0	0%	0	0	0	0
	Total	39,39,035	2,68,369	477	13,54,617	34%	58,607	1%	9,94,393	72,012	2,05,703	23,902

संकलित किया गया हैं। पीडीआई के माध्यम से इन क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों के कार्य प्रदर्शन का आंकलन कर पंचायतों की मजबूती व कमजोरी का पता लगाया जाएगा। पीडीआई में जो पंचायत बेहतर प्रदर्शन करेगी, उसे जिला व राज्य स्तर पर साझा किया जाएगा ताकि दूसरी पंचायतें भी अपनी तरक्की का पैमाना तय कर सकें।

कल्पवृक्ष के समान है श्रीमद्भावगत कथा-स्वामी भास्करानंद

हरिद्वार,संवाददाता। महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी भास्कारानंद महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा कल्पवृक्ष के समान है। कथा के श्रवण और मनन से सभी इच्छाओं को पूरा किया जा सकता है। सप्त सरोवर मार्ग स्थित अखण्ड दयाधाम में अखण्ड दयाधाम वृन्दावन एवं गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट इंदौर की और से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धालु भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला का वर्णन करते हुए स्वामी भास्करानंद ने बताया कि रास जीव के शिव से मिलन की कथा है। भगवान की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन करने के लिए गोकुल पहुंच गए। महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाये जाने वाले पंच गीत, भागवत के पंच प्राण हैं, जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है। वह भव सागर से पार हो जाता है। उसे वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती हैं। भगवान श्रीकृष्ण के विवाह का प्रसंग को सुनाते हुए स्वामी भास्करानंद ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह रुक्मणि के साथ संपन्न हुआ। रुक्मणि स्वयं साक्षात लक्ष्मी है और वह नारायण से दूर रह ही नही सकती। यदि जीव अपने धन अर्थात लक्ष्मी को भगवान के काम में लगाए और लक्ष्मी नारायण की पूजा या उनकी सेवा करे तो उसे भगवान की कृपा स्वत: ही प्राप्त हो जाती है।

स्वामी ऋषि रामकृष्ण, स्वामी कृष्णानंद, स्वामी बिपनानंद, स्वामी नागेंद्र महाराज आदि संतों ने भी श्रद्धालु भक्तों को आशीर्वचन प्रदान किए। ट्रस्टी प्रेम गोयल, विजय गोयल, श्याम अग्रवाल, पुरूषोत्तम अग्रवाल एवं पुष्पा देवी, गायत्री वालिया तथा अमित वालिया ने संतों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालु भक्त शामिल रहे।

रेस्टोरेंट परिसर की झोपड़ियों में लगी आग

रुड़की (संवाददाता)। शहर के एक रेस्टोरेंट के परिसर में बनी झोपड़ियों में आग लग गई। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना पाकर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और एक बड़ा हादसा होने से बचा लिया गया। हालांकि ढाबे पर बनी कई झोपड़ियां और उनमें रखा सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं समय रहते अगर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल शुक्रवार की सुबह 3 बजकर 36 मिनट पर फायर स्टेशन रुड़की को सूचना मिली कि पिरान कलियर थाना क्षेत्र के धनोरी-भगवानपुर मुख्य मार्ग के पास बेडपुर रोड स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर बनी झोपड़ियों में आग लगी है। इस सूचना पर तत्काल दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचकर टीम ने देखा कि रेस्टोरेंट के बाहर बनी झोपड़ियों में भयंकर आग लगी थी। आग की लपटें आसमान छू रही थीं और पेट्रोल पंप नजदीक होने की वजह से बड़ा हादसा भी हो सकता था। फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत ही हाई प्रेशर वाहन से होज रील फैलाकर पंपिंग कर उक्त आग को बुझाना शुरू किया। आग की अधिकता एवं पेट्रोल पंप की संवेदनशीलता को देखते हुए फायर यूनिट भगवानपुर से भी एक फायर टेंडर को मौके पर बुलाया गया। जिसके बाद टीम ने कड़ी मशक्कत से आग को पूर्ण रूप से बुझाया। इसी के साथ टीम ने पेट्रोल पंप की ओर बढ़ रही आग को भी रोका। पेट्रोल एक अति ज्वलनशील पदार्थ है। समय रहते कार्रवाई नहीं की गई होती तो एक बड़ा हादसा और नुकसान हो सकता था।

फायर ब्रिगेड की टीम ने पेट्रोल पंप और रेस्टोरेंट को भी जलने से बचा लिया। उक्त रेस्टोरेंट और ढाबे को लीज पर राशिद और गुलजार निवासी बहादराबाद द्वारा संचालित किया जा रहा था। दोनों मौके पर मौजूद नहीं थे। ?वहीं उक्त रेस्टोरेंट ढाबा और पेट्रोल पंप के मुख्य स्वामी हाजी रईस अहमद पुत्र सिधा हसन निवासी वेडपुर थाना कलियर स्वयं मय परिजनों के मौके पर मौजूद थे। पेट्रोल पंप स्वामी द्वारा आग बुझाने पर राहत की सांस ली गई और फायर यूनिट के कार्यों की खुले मन से प्रशंसा की गई। बताया गया है कि आग से तीन या चार घास की झोपड़ियां, कुर्सी, मेज व अन्य सामान जलकर राख हो गये. कोई जनहानि नहीं हुई।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अवनीश कुमार, मो0 9410553400
ई-मेल: liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।